

Family Law  
4/1/2021  
Hindu Law  
मा. 30 अप्रैल 1925

दाप भाग हिन्दु कूल (Day Bhag Hindu school)

दाप भाग हिन्दुन परिभाषा वर्गाल है प्रचलित है  
दाप भाग जीवन्मृतक हन शिकलौ का संग्रह है  
किहने रण लक्ष्मि हस्तिकौ से विभिन्न विषयों  
पर टीका की गयी है। किलाका से आगसा  
दाप भाग किलि के समस्त विषयों को  
अन्वितिक नही करता है। दाप भाग से  
कालावा सम्बन्धन रिति स्मृति नव,  
दापतव, दापकम संग्रह, पत्रक चण्डिका  
कुत्पादि अन्य प्रमाणिक एवं प्रचलित ग्रन्थ  
है। दाप भाग है हिन्दुविधि किलाका  
की अपेक्षा अधिक उच्चा वाली प्रावधान  
किह गये हैं। दाप भाग की वर्गाल की  
बालावा गी कहते हैं।

पिकाह सम्बन्ध एक पकाहा उमे  
एक उमे के प्रति कतव्य और  
एक उमे के साक्षरी पर किहने उला है।  
हिन्दु किलाह अधिनियम की धारा 10 से उपाधिक  
सम्बन्ध और विभिन्न अपाओं का उपबन्ध  
में किहा गया है।

कस्यन उत्तराधिकारी - की सम्बन्ध है विधि  
उपाधि की लिखित अपवा की विधि घोषणा होती  
है। उच्चत पत्र के उला अपनी सम्बन्ध-  
कारि की हृत्पु के उपाधन अतीत  
उत्तराधिकारी अधिनियम (1925) के धारा 10 का उपाधि  
कसिनता है।

आत्मसाधन के अंगुलि

स्वर्ण काँसे का दंत शक्ति प्राप्त  
 आदवाक्य हूँ राष्ट्रसंततुको नाम सूर्य  
 कर्ण हृत्क मचना निगती ने  
 व्यापित उद्वेग से दिष्ट जति से प्रतिदा  
 की जाती है। इच्छा पत्र को  
 वसिष्ठ कहा जाता है। इस नाम की  
 मयूरी भी हृत्क निष्क से है।

शक्ति काय है पुत्र का पिता को  
 सम्पत्ति है कथिवात पिता की हृत्क  
 से पश्चात् उपज्ज होता है।  
 पिता को अपने जीवन काल में सम्पत्ति  
 में प्राप्त कथिवात प्राप्त है।  
 हृत्क कथिवात को कथा उद्वे  
 शक्ति को प्राप्त होता है।  
 शक्ति काय है पुत्रों को साधन विज्ञान  
 को भी सादरपद बताया गया है।